RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 132
दि. 11.09.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर महामहिम शेख तमिन बिन हमद अल थानी से बातचीत की

प्रधानमंत्री मोदी ने दोहा में हुए हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की और कतर की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की

प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत एवं कूटनीति के जरिए सभी मुद्दों के समाधान का आह्वान किया और तनाव को बढ़ने से रोकने की जरूरत बताई

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के सभी रूपों एवं अभिव्यक्तियों के विरुद्ध भारत के दृढ़ रुख को रेखांकित किया

दोनों नेताओं ने आपसी हित के सभी क्षेत्रों में भारत-कतर रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई

पीएम ने भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती की पुष्टि की

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-अमेरिका संबंधों की आज मजबूती की पुष्टि की और दोनों देशों के बीच चल रही व्यापार वाताओं में विश्वास व्यक्त किया। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देश अपने देशवासियों के उज्जवल और समृद्ध भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

श्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के सोशल मीडिया एक्स पर की गई एक पोस्ट का उत्तर देते हुए कहा:

ह्भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ता भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को प्रदर्शित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। हमारी टीम इन चचाओं को शीघ्र अति शीघ्र पूरा करने के लिए काम कर रही हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रम्प से बात करने के लिए भी उत्सुक हूँ। हम अपने दोनों देशों के लोगों के उज्जवल और समृद्ध भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच चल रही व्यापार वार्ता में 'सफल परिणाम' निकलेगा. उन्होंने आगे कहा कि वे आने वाले हफ्तों में अपने 'बहुत अच्छे दोस्त' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं.

'अपने दोस्त पीएम मोदी से बात करने के लिए उत्सुक'

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में लिखा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं. उन्होंने कहा, 'मैं अपने बहुत अच्छे दोस्त, प्रधानमंत्री मोदी से आगामी हफ्तों में बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं. मुझे पूरा यकीन है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए इस वार्ता का सफल निष्कर्ष निकलेगा.'

भारत-अमेरिका संबंधों को बताया था 'खास'

इससे पहले शनिवार को ट्रंप ने अमेरिका-भारत संबंधों को 'खास' बताया और अपने और पीएम मोदी के बीच मजबूत संबंधों पर जोर दिया. ट्रंप ने कहा, 'मैं हमेशा पीएम मोदी का दोस्त रहूंगा. वह एक महान प्रधानमंत्री हैं. मैं हमेशा दोस्त रहूंगा, लेकिन मुझे फिलहाल जो वह कर रहे हैं, वह मुझे पसंद नहीं है. लेकिन भारत और अमेरिका का संबंध बहुत खास है. चिंता की कोई बात नहीं है. बस कभी-कभी हमारे बीच थोड़े मतभेद हो जाते हैं.'

जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की मैं गहराई से सराहना करता हूं और इसे पूरा स्वीकार करता हूं. भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक और भविष्य की ओर देखने वाली व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है.'

गोरखपुर में सीएम योगी बोले- सनातन धर्म के प्रति समर्पण का भाव ही श्रीमद्भागवत कथा है

सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि समारोह में शामिल हुए.

गोरखपुर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर परिस्थिति में सनातन धर्म के प्रति समर्पण का भाव बना रहे, यही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का वास्तविक मर्म है. श्रीमद्भागवत कथा जीवन के ज्ञान का भान कराने वाली, भक्ति से जोड़ने वाली और मुक्ति का मार्ग दिखाने वाली कथा है.

सीएम गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि समारोह के उपलक्ष्य में, बुधवार शाम श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के विराम सत्र पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा पांच हजार वर्ष पहले पहली बार स्वामी शुकदेव जी ने महाराजा परीक्षित को मृत्यु के भय से अभय करने के लिए सुनाई थी. तबसे यह कथा कोटि-कोटि सनातन धर्मावलंबियों की मुक्ति का माध्यम बन रही है.

सीएम योगी ने कहा कि भारत की ऋषि परंपरा उद्घोष करती है कि भारत में जन्म लेना दुर्लभ है. उसमें भी मनुष्य रूप में जन्म लेना और भी दुर्लभ है. सनातन भारत ने ही ज्ञान, भक्ति और मुक्ति की दाता, जीवन के रहस्यों का उद्घाटन करने वाली श्रीमद्भागवत कथा का उपहार दिया है.

उन्होंने कहा कि कथा का वास्तविक मर्म यह है कि हम हर हाल में अपने धर्म और देश के प्रति अडिग रहें. किसी भी परिस्थिति में बिना झुके, बिना रुके, बिना डिगे सनातन और भारत के प्रति समर्पण का भाव बनाए रखें.

'जिलों के समग्र विकास' पर राष्ट्रीय सम्मेलन 11-12 सितंबर 2025 को पटना में आयोजित किया जाएगा

जिला कलेक्टरों और राज्य/केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 20 से अधिक वक्ता पुरस्कृत सर्वोत्तम परिपाटियां प्रस्तुत करेंगे

राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य देश भर के जिलों में अपनाई गई नवीन शासन परिपाटियों का प्रसार करना है

(जीएनएस)।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी), बिहार सरकार के सहयोग से, 11-12 सितंबर, 2025 को पटना में ह्जिलों के समग्र विकासह्व विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

माननीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार संयुक्त रूप से राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। वे उद्घाटन भाषण भी देंगे। सम्मेलन में उन शासन मॉडलों को प्रदर्शित किया जाएगा जिन्हें लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारों के अंतर्गत मान्यता प्राप्त हुई है।

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग में सचिव श्री वी. श्रीनिवास और बिहार सरकार में मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत भी उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इससे विचारों और परिपाटियों के आकर्षक आदान-प्रदान का वातावरण बनेगा।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कृत और चयनित पहल 2023 और 2024 (जिलों का समग्र विकास), प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कृत पहल 2023 और 2024 (शासन में नवाचार) और बिहार सरकार में नवाचारों पर प्रस्तुतियाँ दी

जाएँगी। इनमें समग्र विकास, डिजिटल शासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण परिवर्तन और लोक सेवा वितरण जैसी कई श्रेणियाँ शामिल होंगी। प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कृत पहल 2024 पर फिल्म भी प्रदर्शित की जाएगी।

राष्ट्रीय सम्मेलन का पहला सत्र प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कृत/चयनित पहल 2023 और 2024 (शासन में नवाचार) पर आधारित होगा। इस सत्र की अध्यक्षता प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के अपर सचिव श्री पुनीत यादव करेंगे। इसमें जिला-स्तरीय नवाचारों पर चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय सम्मेलन में ऐसे चार सत्र और होंगे। इनकी अध्यक्षता वरिष्ठ अधिकारी करेंगे, जिनमें बिहार के लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री नर्मदेश्वर लाल; आईआईपीए, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. एस. एन. त्रिपाठी; और प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती सरिता चौहान शामिल हैं। इस दौरान विभिन्न राज्यों के जिला-स्तरीय नवाचारों पर प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। इसके अलावा बिहार सरकार में नवाचारों पर समर्पित सत्र भी होगा।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने विशाखापत्तनम में आयोजित तीसरे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टर सम्मेलन की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने 9-10 सितंबर, 2025 को विशाखापत्तनम में विजाग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टर - एएमटीजेड द्वारा आयोजित तीसरे ऑल क्लस्टर्स मीट की अध्यक्षता की। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय-ओपीएसए के वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी और ओपीएसए की सलाहकार/वैज्ञानिक-जी डॉ. राकेश कौर भी विचार-विमर्श में शामिल हुए। आयोजन के दौरान, ओपीएसए के वैज्ञानिक-एफ डॉ. विशाल चौधरी ने 25-26 नवंबर 2024 को हुई पिछली सभा की कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत की।

2020 में परिकल्पित, ओपीएसए की विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर पहल क्षेत्र-आधारित नेटवर्क के रूप में, अनुसंधान अनुवाद और नवाचार-आधारित विकास को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा, उद्योग, सरकार और

स्टार्ट-अप के बीच साझेदारी को उत्प्रेरित करता है। यह विभिन्न क्षेत्रगत सहयोग से प्रमुख कार्यक्रम के रूप में परिपक्व हो गया है।

प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. सूद ने अपने मुख्य भाषण में स्थानीय चुनौतियों, औद्योगिक प्रगति के समाधान और क्षेत्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की समग्र वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समूहों की उल्लेखनीय क्षमता का उल्लेख किया। उन्होंने पूरक विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए सुदृढ़ अंतर-क्लस्टर सहयोग को बढ़ावा देकर क्लस्टर पारिस्थितिकी तंत्र की प्रभावशीलता और वैश्विक स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया।

वैज्ञानिक सचिव ने बताया कि आठ सक्रिय क्लस्टरों में से पांच अपने परिचालन के दूसरे चरण में पहुंच गये हैं, जहां औद्योगिक साझेदारी पर पूर्ण जोर दिया जा रहा है। उन्होंने उद्योग और शिक्षा जगत के बीच गतिशील अंतसंबंधों का उल्लेख किया, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलता है, शोध परिणामों के अनुवाद बेहतर होते हैं और सुनिश्चित होता है कि हमारे वैज्ञानिक प्रयास से व्यावसायीकरण की संभावनाओं को गति मिले। डॉ. कौर ने क्लस्टरों को ओपीएसए के ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह (आरयूटीएजी) और रूटेज स्मार्ट विलेज सेंटर (आरएसवीसी) कार्यक्रमों के साथ समन्वय बनाए रखने को कहा।

उद्घाटन सत्र में, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. सूद ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर के आधिकारिक प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया और 4-5 दिसंबर, 2025 को एस एंड टी क्लस्टर पर आगामी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए वेबपेज शुरू किया। एस एंड टी क्लस्टर प्रतीक चिन्ह अगस्त, 2025 में आयोजित एक खुली प्रतियोगिता द्वारा डिजाइन की गई है। प्रतीक चिन्ह मदरबोर्ड पर एक चिप के विभिन्न बा' उपकरणों का संयोजन दशार्ता है, जो शिक्षा, उद्योग, स्टार्ट-अप और सरकार को जोड़ने में क्लस्टर की भूमिका रेखांकित करता है। एस एंड टी क्लस्टर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विषयवस्तु आधारित तकनीकी सत्र, वैश्विक क्लस्टरों के साथ गोलमेज चर्चा और समय के साथ विकसित प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी शामिल होगी। इस अवसर पर प्रो. सूद ने बेंगलुरु विज्ञान और प्रौद्योगिकी (बीईएसटी) क्लस्टर द्वारा तैयार वन हेल्थ पर सार-संग्रह भी जारी किया। इसके अलावा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टर डैशबोर्ड प्रस्तुत किया गया, जिसमें आठ क्लस्टरों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी प्रदर्शित की गई। इन उन्नत प्रौद्योगिकियों को अभी उपयोग में लाया जा रहा है।

प्रोफेसर सूद ने विशाखापत्तनम

केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्गों को हुए नुकसान पर समीक्षा बैठक की

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन

के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों को हुए नुकसान पर केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने केंद्रीय राज्यमंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा और अन्य अधिकारियों के साथ आज दिल्ली में समीक्षा बैठक की।

अति वृष्टि और बादल फटने के कारण राजमार्गों को हुए भारी नुकसान पर दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों समाधान निकालने पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए।

इजराइल के वित्त मंत्री श्री बेजेलेल स्मोट्रिच तथा प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

इजराइली वित्त मंत्री ने गिफ्ट सिटी में निवेश, फाइनेंशियल प्रोटोकॉल तथा यूपीआई जैसे विषयों में विशेष रुचि दिखाई

गांधीनगर, 10 सितंबर : इजराइल के वित्त मंत्री श्री बेजेलेल स्मोट्रिच तथा प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

इजराइली वित्त मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। इस दौरान वे गुजरात की यात्रा पर आए हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ यह भेंट-बैठक आयोजित की।

श्री स्मोट्रिच ने भारत-गुजरात तथा इजराइल के बीच हेरिटेज, ट्रेडिशन, कल्चर तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में समानता होने का उल्लेख करते हुए इस संबंध की व्यापकता को भविष्य में और सुदृढ़ बनाने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री

के साथ फलदायी परामर्श किया।

उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसे प्रतिभाशाली राष्ट्र पुरुष की जन्मभूमि निहारने की आकांक्षा के साथ गुजरात में बिजनेस टु बिजनेस रिलेशन्स विकसित करने तथा गिफ्ट सिटी जैसे अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल सेंटर में इजराइल के वित्तीय संस्थानों के प्रबंधन की संभावनाओं को लेकर विशेष रूप से गुजरात यात्रा पर आए हैं।

रक्षा मंत्री की चेतावनी के बाद सलमान खान ने लिया यू-टर्न

(जीएनएस)।

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग अब फाइनली शुरू हो गई है। सेट से सलमान खान की फोटो भी आई थी। जिसके बाद उनका लुक भी रिवील हो गया था। इस फिल्म शूटिंग के शुरू होने में काफी दिक्कत आई हैं। इसकी शूटिंग शुरू करने के लिए सलमान खान रक्षा मंत्री से भी मिलना पड़ा था।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। फिल्म की शूटिंग में परेशानियां आ रही थीं। इसको लेकर उन्होंने चर्चा की। जिसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनको हिदयात दी है। जिसके बाद ये सवाल ये उठ रहा है कि सलमान खान अपनी फिल्म कहानी में कुछ बदलाव कर रहे हैं या नहीं?

सलमान खान को हिदायत देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि फिल्म की कहानी में किसी भी तरह से चीन को बदनाम न किया जाए। क्योंकि इन दिनों भारत और चीन के ग्लोबल लेवल पर रिश्ते अच्छे हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच अब रिश्तों में सुधार भी आ रहा है। रिपोर्ट्स में बताया गया कि सलमान ने भी रक्षा मंत्री को विश्वास दिलाया कि कहानी में सिर्फ भारतीय

सेना का गौरव दिखाया जाएगा। फिल्म किसी भी एंगल से एंटी चाइना नहीं रहेगी। बता दें, फिल्म 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही थी। इसमें चीन और भारत की सेना की झड़प हुई थी, जिसमें कई सैनिक शहीद हुए थे। ऐसे में सलमान के अब अपनी कहानी में कितना बदलाव करते हैं। अगर फिल्म एंटी चाइना नहीं होगी, तो क्या सलमान तथ्य में भी फेरबदल करेंगे? इस तरह के कुछ सवाल हैं? जिनके जवाब ऑफिशियली कब मिलते हैं, ये भी देखने वाली बात होगी।

बता दें, सलमान इस फिल्म में शहीद कर्नल बी संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। जो इस झड़प में शहीद हुए थे। कर्नल बी संतोष बाबू (महावीर चक्र) 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे। कर्नल बाबू 2020 में चीन-भारत झड़प के दौरान कार्रवाई में शहीद हुए थे। उनका जन्म 1982 में सूयार्पेट तेलंगाना में हुआ था। उनके पिता एक बैंकर और मां होममेकर थीं। उनकी शुरूआती पढ़ाई कोरुकोंडा स्थित सैनिक स्कूल में हुई।

उपराष्ट्रपति निर्वाचन 2025

आयोग ने 1 अगस्त, 2025 के अपने प्रेस नोट के माध्यम से सत्रहवें उपराष्ट्रपति चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ 9 सितंबर, 2025 को मतदान और मतगणना की तिथि निर्धारित की गई थी। निर्धारित कार्यक्रम

के अनुसार, 9 सितंबर, 2025 को कमरा संख्या एफ-101, वसुधा, प्रथम तल, संसद भवन, नई दिल्ली में मतदान हुआ। कुल 781 मतदाता जो मतदान के पात्र थे, उनमें से 767 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिनमें से 15 मतपत्र अवैध घोषित कर दिए गए।

सम्पादकीय

एका की समस्या से ग्रसित विपक्ष

जो है, जैसा है कब तक चलता रहेगा? शायद बरसों-बरस से एक ही चेहरा देख रहे लोग कांग्रेस से मुंह मोड़ रहे हैं, नए लोग खासकर युवा पीढ़ी इसीलिए नहीं जुड़ पा रही है। कांग्रेस के तमाम सहसंगठन भी कागजी होकर रह गए हैं। संगठित होना फिर कब सीखेगी कांग्रेस? कांग्रेस में अंर्तकलह है कि खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। बावजूद इसके राहुल गांधी संगठन के लिए रात-दिन एक किए हुए हैं। इससे राहुल की छवि यकीनन बदली है। उन्हें गंभीरता से लिया जाना बताता है कि कांग्रेस के बुरे दिन जरूर हैं लेकिन पाटा में नया जोश भरने में वो पीछे नहीं है। लेकिन, क्या संगठन में मौजूद तमाम वरिष्ठ और जिम्मेदार भी यह समझेंगे? राहुल पाटा का सम्मानजनक आधार बनाने और समर्थक दलों से एकजुटता खातिर रात-दिन एक कर रहे हैं। उनकी तमाम यात्राएं या अभी बिहार में सव्रियता सामने है। लेकिन संगठन और कार्यंकर्ता इसे क्यों नहीं समझ पा रहे? अभी मध्यप्रदेश में पांच बरस पहले सत्ता से बेदखल हुई कांग्रेस में संगठन की हुई नई-नई सर्जरी बाद जो घमासान मचा, वह नया नहीं था, अलबत्ता टाइमिग गलत रही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 71 जिला अध्यक्षों की सूची जारी की। 21 को फिर जिम्मेदारी और 50 नए चेहरे लिए। 3 पूर्व मंत्री, 6 मौजूदा और 11 पूर्व विधायक सहित 4 महिलाओं, 12 ओबीसी, 10 एसटी, 8 एससी और तीन अल्पसंख्यकों को जिलों की कमान सौंपी गई। इस पर तर्व-वितर्व, विरोध भी शुरू हो गया। पटवारी ने मान-मनव्वल किया। सोशल मीडिया पर लिखा कि सबके सर्वश्रेष्ठ योगदान से ही सशत्त संगठन मप्र कांग्रेस की पहचान बनेगा। वंचित रहे साथियों को जल्द नई जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं बिना देरी सभी नव नियुत्त गुरुमंत्र देने के नाम पर दिल्ली तलब किए गए। वैडर प्रबंधन के टिप्स 9-ए, कोटला रोड स्थित नए कांग्रेस दफ्तर में दिए गए। राहुल लगभग एक घण्टा बोले और साफ कर दिया कि अगले 6 महीनों तक तक कोई नहीं बदलेगा। सबका काम देखेंगे। नव नियुत्त दिल्ली से लौटे नहीं कि मध्यप्रदेश के दो दिग्गजों की सोशल मीडिया जंग ने नया रंग ले लिया। पुराने जख्म वुरेदे जाने लगे। मार्च-2020 में ज्योतिरादित्य सिधिया के भाजपा में जाने से मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार गिरी थी। जबकि 2018 में विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल की हर रैली के दाएं-बाएं कमलनाथ औ सिधिया ही दिखते थे। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि सिधिया को लगता था कि सरकार दिग्विजय सिह चला रहे हैं। इसी नाराजगी से कांग्रेसी विधायकों को तोड़ सरकार गिरा दी गई। वहीं दिग्विजय सिह, कमलनाथसिधि या के बीच ग्वालियर-चंबल मुद्दों पर सहमति न बन पाना सरकार गिरने की वजह बताते हैं। सच जो भी हो वही जानें। लेकिन संदेश अच्छा नहीं गया। उधर 2020 और उसके बाद कांग्रेस सरकार गिरने के बाद हुए कई स्थानीय निकायों या ऐसे दूसरे चुनावों में साफ बहुमत के बावजूद कांग्रेस को जगह-जगह क्यों शिकस्त मिली? इसका जवाब न तो किसी कांग्रेसी के था न ही वो फॉमूर्ला जिसने जीतकर भी बैकपुट पर पहुंचाये। समझकर, जानकर भी ऐसे जनप्रतिनिधि ढ़ोना मजबूरी बनीं। हालाकि कई मौका देखते ही पाटा से दगा कर गए। आलाकमान की इस पर चिता जरूर समझ आती है। इंदिरा जी के कार्यंर्काल में और उनके बाद भी बगावत दिखती थी। लेकिन हर बार पाटा बिखरती, उबरती, टूटती और फिर जुटतीजुड़ ती रही। लेकिन ये क्या, 2014 के बाद संगठन में बिखराव और दिग्गजों का जो रूठना-टूटना शुरू हुआ, रुक नहीं रहा है। लगता नहीं कि संगठन में अनुशासन की पाठशाला के जो शिक्षक हैं वो या तो ट्रेन्ड नहीं है या वत्त बिता रहे हैं? सोचिए भला उस प्रदेश में जिसके लिए चंद घण्टे पहले अनुशासन की इबारत और संगठन की लंबी क्लास चली, वहीं पलक झपकते दिग्गज ही सब वुछ भुला दें? एक ही पाटा के दो पूर्व मुख्यमंत्री बाहें चढ़ा मैदान में वाकयुद्ध की तलवार भांजते नजर आएं! हिमाचल और कर्नाटक में भी जो खींचतान और तल्खी दिखती है वह जगजाहिर है। अन्य प्रदेशों में भी संगठन का कमोवेश यही हाल है। पाटा शुद्धिकरण की नीयत से राहुल का वो बयान काबिल-एतारीफ है जिसमें उन्होंने रेस के घोड़ों को बारात में और बारात के घोड़ों को रेस में दौड़ाने जैसी बात कहकर संगठन पर ही उंगली उठा बड़े बदलाव का संकेत दिया था।

लगभग 66 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात की साणंद विधानसभा क्षेत्र में लगभग 66 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया

राधाकृष्णन जी के निर्वाचन के साथ ही भारत के संवैधानिक पदों पर देश की भौगोलिक एकता की जीत हुई

देश के संवैधानिक पदों पर पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण चारों दिशाओं का प्रतिनिधित्व हो रहा है

वर्ष 2029 तक साणंद विधानसभा क्षेत्र का कोई भी गाँव बुनियादी सुविधाओं से वंचित नहीं रहेगा

आने वाले समय में साणंद पूरे गुजरात में औद्योगिक दृष्टि से सबसे विकसित तहसील बनेगी

साणंद में जल्द ही सेमीकंडक्टर यूनिट का काम भी शुरू होने जा रहा है

मोदी जी के "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गाँव, स्कूल, और नगरपालिका की खाली जगहों पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण हो

पूरे गुजरात में सर्वाधिक वृक्षारोपण का रिकॉर्ड गांधीनगर लोकसभा ने बनाया है

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात के साणंद विधानसभा क्षेत्र में लगभग 66 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि कल ही संपन्न हुए देश के उपराष्ट्रपति चुनाव में, अन्य सभी चुनावों की तरह, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में ठऊअ उम्मीदवार श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी ने प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन जी के निर्वाचन के साथ ही भारत के संवैधानिक पदों पर देश की भौगोलिक एकता की जीत हुई है। श्री शाह ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू पूर्वी भारत से हैं, उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी दक्षिण भारत से हैं, और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, जो गुजरात से हैं और वाराणसी से चुनाव जीते हैं, पश्चिम और उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस प्रकार, देश के संवैधानिक पदों पर पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण चारों दिशाओं का प्रतिनिधित्व हो रहा है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से साणंद को एक निश्चित योजना के साथ विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक साणंद विधानसभा क्षेत्र का कोई भी गाँव बुनियादी सुविधाओं से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि बावला और साणंद नगरपालिका में सुविधाओं के अभाव को दूर करने के लिए विस्तृत योजना तैयार की गई है। इस क्षेत्र में सड़क, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पेयजल जैसी सुविधाएं पहले से अधिक सुदृढ़ करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि जब धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन शुरू हो जाएगा और साणंद क्षेत्र के आसपास औद्योगिक विकास कार्य पूर्ण हो जाएँगे, तब साणंद पूरे गुजरात में औद्योगिक दृष्टि से सबसे विकसित तहसील बनेगी। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार द्वारा इसकी योजना बनाई जा चुकी है।

श्री अमित शाह ने कहा कि साणंद के 111 गाँवों में वर्षों से सिंचाई और पेयजल की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन अब इसका पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग 750 करोड़ रुपए की लागत से गाँवों तक पानी पहुँचाने का कार्य पूरा हो चुका है। साथ ही घरों और खेतों तक पानी पहुँचाने का कार्य लगभग 1000 करोड़ रुपए की लागत से पुनः शुरू होगा। श्री शाह ने कहा कि साणंद विधानसभा क्षेत्र में उरफ (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) के माध्यम से लगभग 150 करोड़ रुपए के कार्यों की योजना बनाई गई है। प्रत्येक गाँव की आवश्यकताओं की पहचान कलेक्टर, विधायक और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर की गई है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले उद्योगपतियों के साथ हुई उनकी चर्चा के आधार पर एक मजबूत प्रशासनिक ढांचा तैयार किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि लगभग 150 करोड़ रुपए की लागत से साणंद के गाँवों में जो बुनियादी सुविधाएँ नहीं हैं उन्हें अगले डेढ़ से दो वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे मोदी जी के "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गाँव, स्कूल, और नगरपालिका की खाली जगहों पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा कि ग्रीन गांधीनगर प्रोजेक्ट के तहत गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में प्रतिदिन वृक्षों की संख्या बढ़ रही है। श्री शाह ने कहा कि पूरे गुजरात में सर्वाधिक वृक्षारोपण का रिकॉर्ड गांधीनगर लोकसभा ने बनाया है, जो प्रसन्नता का विषय है।

श्री अमित शाह ने कहा कि हाल ही में सेमिकॉन इंडिया 2025 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत के पहले पूर्ण विकसित 32-बिट प्रोसेसर चिप 'विक्रम-32' का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि साणंद में भी माइक्रॉन टेक्नोलॉजी द्वारा चिप निर्माण का काम शुरू किया जाने वाला है। इस सेमीकंडक्टर यूनिट के कारण साणंद के विकास में एक नया आयाम जुड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज के कार्यक्रम में 29 कार्यों का लोकार्पण हुआ, 23 कार्यों का भूमिपूजन हुआ, और लगभग 66 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की शुरूआत हुई या वे पूरे किए गए। इनमें वृक्षारोपण, सड़क निर्माण, ग्रामीण सड़क योजना, गाँव की सड़कें, स्कूलों का विकास जैसे विभिन्न कार्य शामिल हैं।

"आदि संस्कृति" के बीटा संस्करण की शुरूआत

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जनजातियों के कलारूपों के डिजिटल शिक्षण के लिए एक मंच, "आदि संस्कृति" के बीटा संस्करण की शुरूआत की

प्रत्येक जनजातीय गीत, कहानी, कार्य प्रणालियों के ज्ञान को संरक्षित करने, उनके अध्ययन, प्रगति और आजीविका के लिए एक मंच तैयार

(जीएनएस)।

परंपरा को तकनीक से जोड़ते हुए, जनजातीय कार्य मंत्रालय ने आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आदि कर्मयोगी अभियान पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, आदिवासी कलारूपों, विरासत के संरक्षण, आजीविका को सक्षम बनाने और भारत के जनजातीय समुदायों को दुनिया से जोड़ने के लिए एक अग्रणी डिजिटल शिक्षण मंच, आदि संस्कृति के बीटा संस्करण की शुरूआत की। जनजातीय कार्य राज्य मंत्री, दुगार्दास उइके ने इस मंच का औपचारिक

शुभारंभ किया, जिससे आदिवासी संस्कृति और विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक नए डिजिटल युग की शुरूआत हुई।

आदि संस्कृति की कल्पना जनजातीय समुदायों की संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और उसे बढ़ावा देने, और जनजातीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों तक दुनिया भर की पहुँच प्रदान करने वाले एक ऑनलाइन बाजार के लिए दुनिया के पहले डिजिटल विश्वविद्यालय के रूप में की गई है। इस प्लेटफॉर्म में तीन प्रमुख घटक शामिल हैं:

आदि विश्वविद्यालय (डिजिटल ट्राइबल आर्ट अकादमी): वर्तमान में आदिवासी नृत्य, चित्रकला, शिल्प, संगीत और लोककथाओं पर 45 इमर्सिव पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है।

आदि सम्पदा (सामाजिक-सांस्कृतिक भंडार): पांच विषयों पर 5,000 से अधिक संकलित दस्तावेजों का संग्रह, जिसमें चित्रकला, नृत्य, वस्त्र एवं वस्त्र, कलाकृतियाँ और आजीविका शामिल हैं

आदि हाट (ऑनलाइन बाजार): वर्तमान में ट्राइफेड के साथ जुड़ा हुआ, यह आदिवासी कारीगरों के लिए एक समर्पित ऑनलाइन बाजार के रूप में विकसित होगा, जिससे स्थायी आजीविका और प्रत्यक्ष उपभोक्ता पहुँच संभव होगी।

राज्य टीआरआई के साथ तालमेल से निर्माण

आदि संस्कृति का निर्माण राज्य जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) के साथ घनिष्ठ साझेदारी में किया जा रहा है, जिससे इसके विकास में जमीनी स्तर की भागीदारी, प्रामाणिकता और तालमेल सुनिश्चित हो सके। इसके पहले चरण में, आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के टीआरआई ने जनजातीय कलाकृतियों के दस्तावेजीकरण, विषयवस्तु संग्रह और डिजिटल मानचित्रण में योगदान दिया है। इस सामूहिक प्रयास ने एक ऐसे मंच की नींव रखी है जो भारत की जनजातीय विरासत की विविधता और समृद्धि को दशार्ता है।

शुरूआत के समय अभिव्यक्तियां

इस अवसर पर जनजातीय कार्य राज्य मंत्री, श्री दुगार्दास उइके ने अनुसूचित जनजातियों के उत्थान और उनकी विरासत के संरक्षण के लिए मंत्रालय के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनजातीय भाषाओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-आधारित अनुवादक, आदि वाणी की पूर्व में की गई शुरूआत का जिक्र किया और आशा व्यक्त की कि ऐसे उपकरण जल्द ही लोकतांत्रिक मंचों और संस्थानों में उपयोगी साबित होंगे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि, "शिक्षा से संपदा और हाट तक - आदि संस्कृति संरक्षण, ज्ञान-साझाकरण और सशक्तिकरण का एक समग्र मंच है। यह जनजातीय समुदायों, उनकी संस्कृति और विरासत के बारे में विविध ज्ञान प्रदान करता है और कला रूपों के भंडार के रूप में कार्य करता है। इसके शुभारंभ के साथ, अब कोई भी जनजातीय संस्कृति, विरासत और आजीविका के खजाने से जुड़ सकता है।"

जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री अनंत प्रकाश पांडे ने कहा कि आदि संस्कृति, विकसित भारत @2047 के लिए सांस्कृतिक संरक्षण और जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने लोगों से इस पोर्टल का उपयोग करने का आग्रह किया, जो अब सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है। उन्होंने इसके निरंतर संवर्धन के लिए फीडबैक साझा करने का भी आग्रह किया।

मंत्रालय ने पुष्टि की है कि आदि संस्कृति का विस्तार चरणबद्ध तरीके से और अधिक पाठ्यक्रमों, संग्रहों और बाजार एकीकरण के साथ किया जाएगा। दीर्घकालिक दृष्टिकोण इस प्लेटफॉर्म को एक जनजातीय डिजिटल विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करना है, जो प्रमाणन, उन्नत शोध के अवसर और परिवर्तनकारी शिक्षण मार्ग प्रदान करेगा।

संरक्षण, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को एक साथ लाकर, आदि संस्कृति भारत के जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रक्षा और उसका उत्सव मनाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, साथ ही उन्हें डिजिटल ज्ञान अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदार के रूप में सशक्त भी बनाया गया है।

शहनाज हुसैन के खूबसूरती टिप्स।

तरबूज का जूस प्रयोग करें

तरबूज का जूस एक अच्छा स्किन टोनर है और रूखेपन को कम भी करता है। यह त्वचा को ठंडक, रिफ्रेश और कोमल बनाता है। इसका रस चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से धो लें। सभी त वचा के लिये फ्रूट मास्क केला, सेब, पपीता और संतरा जैसे फलों को मिक स कर के मास्क बना कर चेहरे पर लगाएं। 30 मिनट के बाद चेहरे को धो लें। इससे चेहरे को ठंडक पहुंचेगी, डेड स्किन साफ होगी और सन टैनिंग मिटेगी।

कूलिंग मास्क----------

खीरे के रस में 2 चम्मच पावडर वाला दूध और एक अंडे का सफेद भाग मिला कर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे और गरदन पर लगाएं और जब सूख जाए तब पानी से धो लें।

ऑइली किन के लिये मास्क------

1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी में गुलाब जल मिला कर पेस्ट बना कर चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद इसे पानी से धोलें।

टी बैग का प्रयोग ------

टी बैग भी अच्छा काम कर सकते हैं। इन्हें गरम पानी में कुछ देर के लिये डालें और निचोड़ कर आंखों पर आई पैड बना कर रखें।

रूखे, सूखे और बेजान बाल--------

पानी के साथ थोड़ा सा क्रीमी हेयर कंडीशनर मिला कर स्प्रे बॉटल में भर कर रखें। बालों पर इससे स्प्रे करें और फिर कंघी से बाल झाड़ कर पूरे बालों पर इसे फैला लें।

आई मेकअप -----------

दिन में हमेशा आई पेंसिल का प्रयोग करें या फिर पलको को ब्राउन या ग्रेड आई शैडो से लाइन करें। इससे आंखों को सॉफ्ट इफेक्ट मिलेगा। उसके बाद आंखों पर केवल एक या दो कोट्स मस्कारा के लगाएं। इससे आंखे गहरी और चमकदार दिखेंगी।

7 ---लिपस्टिक-------

लिपस्टिक के लिये बहुत गहरा रंग ना चुनें जैसे, महरून आदि। आपको लाइट पेस्टल कलर जैसे पिंक, लाइट ब्राउन, कॉपर या पीच रंगों का चुनाव करना चाहिये। या फिर केवल लिप ग्लॉस ही चुनें।

8 ----. खरबूज, पानी और ककड़ी गर्मी के सबसे अच्छे खाद्य पदार्थ हैं

वास्तव में प्रकृति ने हमें ऐसे फल दिए हैं जिनका सेवन कर हम गर्मी को दूर कर सकते हैं। खरबूजे, तरबूजे, ककड़ी गर्मियों के दौरान उपलब्ध होते हैं। इन फलों में काफी पानी भरा रहता है। इनके सेवन से शरीर में मौजूद गंदा पानी पसीने के रास्ते बाहर निकल जाता है। अगर आपको गर्मियों के मौसम में आपको काफी पसीना आता है तो आप खरबूजे, तरबूजे और ककड़ी जैसे फलों का सेवन कर सकती हैं। इससे शरीर में पानी की कमी पूरी होती है।

9 ---- पुदीने के पत्ते, नींबू के साथ पानी और बर्फ

पुदीने के पत्ते में ठंडक होती है, जिससे पाचन क्रिया में सहायता मिलती है। पुदीने को गर्म पानी में उबाल कर कुछ देर के लिए छोड़ दें। ठंडा होने पर एक चम्मच नींबू का रस ग्लास में डाल दें। इसके बाद ठंडक के लिए बर्फ इसमें डाल लें। इसे और उपयोगी बनाने के लिए इसमें शहद, नमक और काली मिर्च की कुछ मात्रा जोड़ लें। नमक और काली मिर्च ना हो तो ऐसे में आप सेंधा नमक और चाट मसाला का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी)-2025 के मसौदे पर प्रतिक्रिया आमंत्रित की

(जीएनएस)।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय आंकड़ों के संग्रह, संकलन और प्रसार हेतु मानक निर्धारित करने वाला नोडल मंत्रालय है। मंत्रालय आंकड़ों की समयबद्धता, गुणवत्ता और विस्तृत जानकारी में सुधार के लिए कई संरचनात्मक सुधार कर रहा है। इनमें प्रमुख संकेतकों के आधार वर्ष को अद्यतन करना, स्थानीय स्तर पर आंकड़ों के संग्रह को सक्षम बनाने के लिए विभिन्न सर्वेक्षणों की कार्यप्रणाली को परिष्कृत करना और विभिन्न सांख्यिकीय वर्गीकरणों को अद्यतन करना शामिल है। मंत्रालय ने इन्हीं प्रयासों के तहत अब अपने राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी)-2008 को संशोधित किया है और एनआईसी-2025 का मसौदा तैयार किया है।

राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) सांख्यिकीय सर्वेक्षणों, जनगणनाओं, आर्थिक अनुसंधान, पंजीकरण प्रक्रियाओं और केंद्र एवं राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा नीति निर्माण सहित अनेक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले एक आधारभूत उपकरण के रूप में कार्य करता है। भारत ने अपना पहला मानक औद्योगिक वर्गीकरण 1962 में जारी किया था। इसके बाद, अंतर्राष्ट्रीय मानक औद्योगिक वर्गीकरण (आईएसआईसी) में हुए संशोधनों के अनुरूप इसे नियमित रूप से संशोधित किया गया। इसी तरह, एनआईसी 1970, एनआईसी 1987, एनआईसी 1990, एनआईसी 1998, एनआईसी 2004 और एनआईसी 2008 में परिष्कृत किया गया।

संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग द्वारा 2024 में आईएसआईसी संशोधन 5 को स्वीकृत और अपनाए जाने के बाद एनआईसी-2008 का व्यापक संशोधन आवश्यक हो गया। यह संशोधन भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए महत्वपूर्ण संरचनात्मक और तकनीकी परिवर्तनों के कारण भी आवश्यक था। इसमें नए उद्योगों, सेवाओं और तकनीकी प्रगति का उदय शामिल है। इनके लिए उचित समावेशन और प्रतिनिधित्व की भी आवश्यकता है।

एनआईसी-2025 का मसौदा एक विशेषज्ञ समिति के तत्वावधान में तैयार किया गया है। इसमें प्रख्यात शिक्षाविद, अर्थशास्त्री, उद्योग संघ और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके लिए केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, उद्योग विशेषज्ञों और अन्य संबंधित संगठनों सहित हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श भी किया गया।

विभिन्न देशों के आंकड़ों की तुलना सुनिश्चित करने के लिए एनआईसी-2025 का मसौदा आईएसआईसी संशोधन 5 के अनुरूप है, जो वर्ग (4-अंकीय) स्तर तक है। राष्ट्रीय स्तर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अंतिम स्तर (उप-वर्ग) का उपयोग किया गया है। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, वित्तीय प्रौद्योगिकी सेवाओं, मध्यस्थता गतिविधियों, आयुष स्वास्थ्य प्रणाली, ई-कॉमर्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था आदि पर विशेष जोर दिया गया है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए एनआईसी-2025 के मसौदे में उप-वर्गों की संख्या एनआईसी-2008 के 1304 से बढ़कर लगभग 1900 हो गई है।

मराठी स्टार सांची भोयर का हिंदी टेलीविजन में डेब्यू: कलर्स का 'बिंदी' दिखाता है कि शिक्षा सबकुछ बदल सकती है

(जीएनएस)।

मराठी घरों में इंद्रायणी के रूप में दिल जीत चुकी बाल प्रतिभा सांची भोयर अब कलर्स के नए शो बिंदी से हिंदी टेलीविजन में कदम रख रही हैं। अपने कॅरियर की शुरूआत में ही इस नन्हीं अदाकारा ने गहराई भरे किरदारों को जीवंत करने की अद्भुत क्षमता दिखाई है और इस बार वह दिल को छू लेने वाली मां-बेटी की कहानी में शीर्षक भूमिका निभा रही हैं। शो के केंद्र में है बेटी का जेल में बंद मां के लिए अटूट संघर्ष।

जेल की चारदीवारी के भीतर जन्मी और पली-बढ़ी बिंदी की दुनिया उसकी मां काजल तक ही सीमित है, जिनके प्यार ने जेल को ही उसका खुशहाल ठिकाना बना दिया है। अंधेरे में भी धूप की किरण, बिंदी समझदार और दयालु बच्ची है, जिसकी ख्वाहिशें बेहद सरल हैं—एक सामान्य परिवार, मां के साथ समय, मां की आजादी और पढ़ाई का मौका। लेकिन जब कानून अचानक उसे जेल से बाहर कर देता है, तो उनका नाजुक सुख छिन जाता है। मथुरा में अपने मामा सौरव की देखरेख में पहुंची बिंदी को जेल से भी कठिन और शत्रुतापूर्ण दुनिया का सामना करना पड़ता है। अन्याय को पलटने के संकल्प के साथ, वह पढ़ाई करके खुद को

मजबूत बनाना चाहती है और अपनी मां की रिहाई के लिए न्याय की लड़ाई लड़ती है, जहां दुश्मन हर मोड़ पर उसका रास्ता रोकने की कोशिश करते हैं।

अपने हिंदी टेलीविजन डेब्यू को लेकर सांची ने कहा, ह्लमैं बिंदी के लिए बहुत उत्साहित हूँ क्योंकि मैं चाहती हूँ कि हिंदी टीवी देखने वाले दर्शक भी मेरा टैलेंट देखें। साथ ही मैं नर्वस भी हूँ क्योंकि टाइटल रोल निभाना बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है और मुझे हर दिन एक एक्टर के तौर पर नई-नई चीजें सीखने को मिल रही हैं। मुझे बार-बार खुद को यह याद दिलाना पड़ा कि जो बातें हमारे लिए सामान्य हैं, जैसे बाहर खेलना, स्कूल जाना या दोस्तों के साथ समय बिताना—ये सब चीजें उसके जीवन में कभी नहीं रहीं। उसका अपनी मां से रिश्ता मुझे इसलिए भी छू गया क्योंकि मेरी मां भी मेरी सबसे अच्छी दोस्त और सबसे बड़ी ताकत हैं। 'बिंदी' दिखाता है कि शिक्षा सबकुछ बदल सकती है। मैं चाहती हूँ कि जब लोग यह शो देखें तो वे उसकी हिम्मत महसूस करें और विश्वास करें कि किताबें और ज्ञान उनके सपनों को सच कर सकते हैं ह्व

गवाब बनिए बेटी की योद्धा-सी हिम्मत और मां का बंधनों से परे प्रेम, बिंदी, में। प्रसारण 17 सितम्बर से, हर रोज रात 8:30 बजे, केवल कलर्स पर।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

मिजोरम में रेल लाइन केवल यात्रा नहीं, समृद्धि भी

भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित मिजोरम की राजधानी आइजोल रेल नेटवर्क से जुड़ने का जश्न मना रहा है। बइरबी-सायरंग रेल लाइन बिछा

जया वर्मा सिन्हा
पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

दी गई है, जो इस ऐतिहासिक बदलाव की गवाह बनेगी। यह लाइन असम-मिजोरम सीमा के पास स्थित बइरबी से शुरू होकर, राजधानी आइजोल से मात्र 18 कि.मी.दूर बसे छोटे नगर सायरंग तक पहुँचती है।

51.38 कि.मी.लंबी यह नई रेल लाइन घने बाँस के जंगलों, गहरी घाटियों और खड़ी पहाड़ियों से गुजरते हुए लुशाई (मिजो) पर्वतों से होकर निकलती है। 45 सुरंगों और 55 मुख्य ब्रिजों वाली इस रेल लाइन पर देश का दूसरा सबसे ऊँचा पियर ब्रिज बना है, जिसकी ऊँचाई 114 मीटर है, यानी कुतुब मीनार से भी अधिक ऊँचा। इसके साथ ही, शांत और सौम्य हवाओं वाली भूमि मिजोरम की राजधानी आइजोल अब राष्ट्रीय रेल ग्रिड से जुड़ गई है। इस प्रोजेक्ट को पूरा करना आसान नहीं था। दुर्गम स्थलाकृति, भूस्खलन और कठिन मॉनसून जैसी परिस्थितियों ने रेलवे की सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग क्षमता की परीक्षा ली।

नई रेल लाइन मिजोरम के लोगों के जीवन को बदलने जा रही है। अब तक पहाड़ी भू-भाग के कारण आवागमन धीमा और कठिन था, जिससे यहाँ वस्तुएँ महँगी मिलती थीं और यात्राएँ लंबा समय लेती थीं। 51.38 कि.मी. लंबी इस लाइन के पूरा होने से कोलासिब जिले से आइजोल जिले तक की यात्रा का समय आधे से भी कम हो जाएगा। इसका अर्थ है कि सस्ती दरों पर आवश्यक वस्तुओं तक पहुँच आसान होगी, रोजगार और व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। यह रेल लाइन उद्यमियों के लिए बड़े बाजारों तक पहुँच के नए रास्ते खोलेगी। आइजोल के लोग अब देश के प्रमुख शहरों तक सुगमता पूर्वक पहुंच सकेंगे। एवं त्योहारों पर उन्हें अपने घर आने-जाने में सुगमता होगी।

प्रकृति और संस्कृति का कॉरिडोर

यह रेल लाइन केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि मिजोरम में विकास और संपर्क के नए दौर का नया अध्याय है। व्यापार और उद्योग के लिए भी यह रेल लाइन मददगार साबित होगी। यहाँ की हरियाली, घाटियाँ और पहाड़ियां दुनिया भर के सैलानियों को आकर्षित करेंगी। यहाँ की प्राकृतिक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आत्मीय आतिथ्य और जीवंत परंपराओं से जुड़ने का अवसर सैलानियों को मिलेगा। मिजोरम की खूबसूरती इसके प्राकृतिक दृश्यों में निहित है- घने जंगल, लहरदार पहाड़, मनमोहक घाटियाँ और स्वच्छ जलधाराएँ व झरने। यही कारण है कि इसे लैंड ऑफ द हाईलैंडर्स और लैंड ऑफ द ब्लू माउंटेन्स कहा जाता है। यह राज्य एक इकोलॉजिकल हॉटस्पॉट है, जहाँ अनोखी वनस्पतियाँ और जीव पाए जाते हैं। यहाँ की आदिवासी संस्कृति अपने संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, मिजोरम अब एडवेंचर पर्यटन का उभरता हुआ गंतव्य भी बन रहा है। अगस्त 2025 में मिजोरम सरकार और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के बीच इस रेल संपर्क के पर्यटन-संभावनाओं को साकार करने के लिए दो वर्ष का समझौता हुआ। इसमें पर्यटन पैकेजों को राज्य की पर्यटन अवसंरचना से जोड़ने पर बल दिया गया है। आईआरसीटीसी ने 'डिस्कवर नॉर्थ ईस्ट बियोंड गुवाहाटी' पहल के तहत विशेष पर्यटक ट्रेनों का संचालन करने की योजना बनाई है, ताकि किफायती, सतत और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन मॉडल विकसित किया जा सके।

जियो स्ट्रेटजिक ब्रिज

मिजोरम राज्य बांग्लादेश और म्यांमार, दोनों की सीमाओं को साझा करता है। यही कारण है कि यह भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी और नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी का केंद्र बिंदु है। रेल संपर्क का अर्थ है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह का व्यापार तेजी से बढ़ेगा। नियोजित रेल और सड़क नेटवर्क का विस्तार मिजोरम को भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक प्रमुख परिवहन केंद्र बना सकता है। यह विशेष रूप से वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण है।

परिवर्तन की लहर

आर्थिक और लॉजिस्टिक दृष्टि से हटकर देखें, तो आइजोल में रेल लाइन एक भावनात्मक जुड़ाव की उपलब्धि भी है। मिजोरम के लोगों के लिए यह इस बात की पुष्टि है कि वे देश का अहम हिस्सा हैं और भारत की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन की जाने वाली इस नई रेल कनेक्टिविटी के साथ, मिजोरम केवल एक रेलवे परियोजना के पूर्ण होने का अवसर ही नहीं, बल्कि एक लंबे समय से संजोए गए सपने के साकार होने का उत्सव मना रहा है। यह इस सच्चाई का प्रमाण है कि कोई भी भू-भाग इतना कठिन नहीं है और कोई भी लक्ष्य इतना बड़ा नहीं है कि समर्पण और दृढ़संकल्प के साथ हासिल न किया जा सके।

भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को कैबिनेट ने मंजूरी दी

कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 3,169 करोड़ रुपए की लागत से भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है।

इस बढ़ी हुई लाइन क्षमता से परिवहन में सुधार होगा जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी। इस मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी जिससे भारतीय रेलवे के इन सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास संभव होगा। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से "आत्मनिर्भर" बनाएगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा।

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के साथ परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएं रेल यातायात के साथ-साथ सामानों की ढुलाई के लिए भी निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 177 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

यह परियोजना खंड, देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम), तारापीठ (शक्ति पीठ) आदि जैसे प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क प्रदान करता है।

मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 441 गांवों और 28.72 लाख आबादी तथा तीन आकांक्षी जिलों (बांका, गोड्डा और दुमका) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

कोयला, सीमेंट, उर्वरक, ईंट और पत्थर आदि जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। इन क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 15 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक लागत, तेल आयात (5 करोड़ लीटर) और सीओ2 उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

लंबाई 82.4 किलोमीटर और कुल लागत 4447.38 करोड़ रुपये से हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर निर्माण

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार के बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर खंड के हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की कुल लंबाई 82.400 किलोमीटर होगी और इसकी कुल पूंजीगत लागत 4447.38 करोड़ रुपये होगी।

यह खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जैसा कि अनुलग्नक-क में दिए गए मानचित्र में दशार्या गया है।

पूर्वी बिहार में मुंगेर-जमालपुर-भागलपुर क्षेत्र आयुध कारखाने (मौजूदा बंदूक कारखाना और रक्षा मंत्रालय द्वारा आयुध कारखाना गलियारे के हिस्से के रूप में प्रस्तावित एक और कारखाना), लोकोमोटिव वर्कशॉप (जमालपुर में), खाद्य प्रसंस्करण (जैसे, मुंगेर में आईटीसी) और संबंधित रसद एवं भंडारण केंद्रों के बल पर एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। भागलपुरी सिल्क (भागलपुर में प्रस्तावित वस्त्र इको-सिस्टम) की प्रमुखता के बीच भागलपुर वस्त्र और रसद केंद्र के रूप में उभर रहा है। वहीं बड़हिया खाद्य पैकेजिंग, प्रसंस्करण और कृषि-गोदाम के लिए एक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। इस क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों से भविष्य में

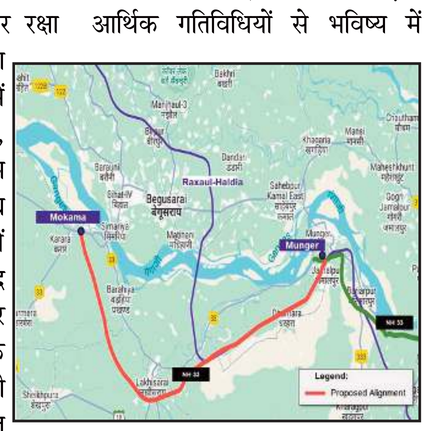

मोकामा-मुंगेर खंड पर माल ढुलाई और यातायात का विस्तार होने की उम्मीद है।

टोल टैक्स की प्रणाली से युक्त 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर पर 100 किमी/घंटा की डिजाइन स्पीड के साथ वाहन की 80 किमी/घंटा की औसत गति को सपोर्ट करता है। इससे यात्रा में लगने वाला समय लगभग 1.5 घंटे तक कम हो जाएगा। साथ ही, यह यात्री और मालवाहक वाहनों, दोनों के लिए सुरक्षित, तेज और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

82.40 किलोमीटर की प्रस्तावित परियोजना से लगभग 14.83 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार और 18.46 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। प्रस्तावित गलियारे के आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण यह परियोजना अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

पश्चिम रेलवे चलाएगी वडोदरा - गोरखपुर के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से वडोदरा - गोरखपुर के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी।विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09111/09112 वडोदरा - गोरखपुर स्पेशल (साप्ताहिक) [20 फेरे]

ट्रेन संख्या 09111 वडोदरा-गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक शनिवार वडोदरा से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:30 बजे गोरखपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09112 गोरखपुर-वडोदरा स्पेशल प्रत्येक सोमवार को गोरखपुर से 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:00 बजे वडोदरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 29 सितंबर से 01 दिसंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, फरुर्खाबाद, कानपुर, मानक नगर, बादशाह नगर, बाराबंकी, गोंडा और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास, द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09111 की बुकिंग 11 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

ट्राई ने रेवाड़ी में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का परीक्षण किया

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सामान्य दूरसंचार उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए जुलाई-अगस्त 2025 के दौरान रेवाड़ी शहर (हरियाणा एलएसए में) में आयोजित इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के परिणाम जारी किए हैं। इस ड्राइव टेस्ट का उद्देश्य, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) की मोबाइल नेटवर्क सेवाओं (वॉयस और डेटा दोनों) की वास्तविक गुणवत्ता का आकलन और सत्यापन करना है। आईडीटी के दौरान, ट्राई प्रमुख निष्पादन संकेतकों (केपीआई) जैसे कॉल सेटअप सफलता दर, डेटा डाउनलोड और अपलोड गति, आवाज की गुणवत्ता से जुड़े डेटा एकत्र करता है। इन्हें बाद में उपभोक्ताओं को सूचित करने और टीएसपी को अपनी सेवाओं में सुधार के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रकाशित किया जाता है।

ट्राई ने अपनी नियुक्त एजेंसी के माध्यम से, हरियाणा में 31-07-2025 से 02-08-2025 तक रेवाड़ी में 250.7 किलोमीटर की शहरी ड्राईव परीक्षण, 8 हॉटस्पॉट स्थानों और 1.1 किलोमीटर पैदल परीक्षण किए। ये परीक्षण जयपुर स्थित ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय की देखरेख में किए गए।

रेवाडी शहर में आयोजित ड्राइव टेस्ट में रेवाडी शहर के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर किया गया जिसमें आसपास के क्षेत्र लाखनौर, गोकलघर, सहारनवास, कनमाजारा, बावल, उत्तम नगर, भारावास, शाबाजपुर, जलालपुर, जलियावास, बनीपुर और हरचंदपुर आदि शामिल हैं।

इस प्रकार के ड्राइव परीक्षण में, सभी टीएसपी से 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर सिम कार्ड का उपयोग करके विभिन्न उपयोग वातावरणों में लाइव डेटा और वॉयस सत्र स्थापित किए जाते हैं, जैसे वाणिज्यिक क्षेत्र, हॉटस्पॉट, सार्वजनिक परिवहन केंद्र आदि। कई उन्नत परीक्षण हैंडसेट का उपयोग किया जाता है और उन्नत सॉफ्टवेयर सिस्टम का उपयोग करके वास्तविक समय में सत्रों की निगरानी और विश्लेषण किया जाता है।

इस आईडीटी रिपोर्ट के परिणामों को संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के साथ साझा किया गया है ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे अपने नेटवर्क में सुधार हेतु आगे की कार्रवाई कर सकें। आईडीटी की विस्तृत रिपोर्ट ट्राई की वेबसाइट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। किसी भी स्पष्टीकरण या अतिरिक्त जानकारी के लिए dv.jaipur@trai.gov.in पर ईमेल भेजा जा सकता है या जयपुर स्थित ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय से टेलीफोन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी ओखा और शकूर बस्ती (दिल्ली) के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से ओखा-शकूर बस्ती (दिल्ली कैंट के पास स्थित) के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09523/09524 ओखा-शकूर बस्ती स्पेशल (साप्ताहिक) [20 फेरे]

ट्रेन संख्या 09523 ओखा-शकूर बस्ती स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को ओखा से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:35 बजे शकूर बस्ती पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 25 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09524 शकूर बस्ती-ओखा स्पेशल प्रत्येक बुधवार को शकूर बस्ती से 13:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:50 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 24 सितंबर से 26 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट, सुरेंद्रनगर, विरमगाम, महेसाणा, उंझा, सिद्धपुर, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09523 की बुकिंग 11 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मुंबई सेंट्रल - बनारस, वडोदरा - गोरखपुर और ओखा - शकूर बस्ती के बीच चलेंगी विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल - बनारस, वडोदरा - गोरखपुर और ओखा - शकूर बस्ती के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 09083/09084 मुंबई सेंट्रल - बनारस एसी स्पेशल (साप्ताहिक) [16 फेरे]

ट्रेन संख्या 09083 मुंबई सेंट्रल-बनारस स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 23:10 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 10:30 बजे बनारस पहुँचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर से 5 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09084 बनारस-मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को बनारस से 14:30 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को 04:20 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन 19 सितंबर से 07 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, भोगाँव, फरुर्खाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, जंघई और भदोही स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर और एसी-3 टियर (इकोनॉमी) कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09111/09112 वडोदरा - गोरखपुर स्पेशल (साप्ताहिक) [20 फेरे]

ट्रेन संख्या 09111 वडोदरा-गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक शनिवार वडोदरा से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:30 बजे गोरखपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09112 गोरखपुर-वडोदरा स्पेशल प्रत्येक सोमवार को गोरखपुर से 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:00 बजे वडोदरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 29 सितंबर से 01 दिसंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, फरुर्खाबाद, कानपुर, मानक नगर, बादशाह नगर, बाराबंकी, गोंडा और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास, द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09523/09524 ओखा - शकूर बस्ती स्पेशल (साप्ताहिक) [20 फेरे]

ट्रेन संख्या 09523 ओखा - शकूर बस्ती स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को ओखा से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:35 बजे शकूर बस्ती पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 25 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09524 शकूर बस्ती - ओखा स्पेशल प्रत्येक बुधवार को शकूर बस्ती से 13:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:50 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 24 सितंबर से 26 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट, सुरेंद्रनगर, विरमगाम, महेसाणा, उंझा, सिद्धपुर, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09083, 09111 एवं 09523 की बुकिंग 11 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर मंडल पर मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (DRUCC) की बैठक संपन्न

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल पर 10 सितम्बर, 2025 (बुधवार) को मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (उम्रचउउ) की बैठक का आयोजन मंडल कार्यालय में किया गया। बैठक का शुभारम्भ समिति के सचिव एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा मंडल पर अमृत स्टेशन स्कीम के तहत विकसित किये जा रहे स्टेशनों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। बैठक में समिति के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने भावनगर मंडल पर चल रही प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों से सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने आश्वस्त किया कि यात्री सुविधाओं का विकास मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता है और मंडल द्वारा सभी उचित माँगों का शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

बैठक के दौरान पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से भावनगर मंडल की उपलब्धियों एवं यात्री सुविधाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित रेल समस्याओं, नई ट्रेनों के संचालन, परियोजनाओं की शीघ्र पूर्ति तथा स्टेशनों पर बेहतर यात्री सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु बहुमूल्य सुझाव दिए। इस बैठक में समिति के सदस्य श्री बैजु एस. मेहता (भावनगर), श्री महेन्द्र शाह (भावनगर), श्री उपेन्द्रभाई जानी (भावनगर), श्री प्रदीपभाई एच. देसाई (भावनगर), श्री पारसभाई सी. शाह (भावनगर), डॉ. आर. सी. गुप्ता (भावनगर) एवं श्री विजयभाई थानकी (पोरबंदर) उपस्थित रहे।

बैठक के समापन पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने सभी सदस्यों का अमूल्य सुझाव देने एवं सक्रिय भागीदारी हेतु आभार व्यक्त किया।

कार्मिक प्रबंधन और लोक प्रशासन पर भारत-सिंगापुर संयुक्त कार्य समूह की बैठक आयोजित

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) और सिंगापुर पीएसडी ने अपनी प्रस्तुतियाँ साझा कीं। भारतीय पक्ष ने नेक्स्ट जेन सीपीजीआरएएमएस और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण आकलन (एनईएसडीए) और सिंगापुर पक्ष ने लाइफ एसजी साझा किया। लाइफ एसजी जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों में नागरिकों को सरकारी सेवाएँ प्रदान करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है

भारत-सिंगापुर कार्मिक प्रबंधन और लोक प्रशासन के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं

(जीएनएस)।

कार्मिक प्रबंधन और लोक प्रशासन पर भारत-सिंगापुर संयुक्त कार्य समूह की बैठक 10.09.2025 को आयोजित हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से प्रशासनिक सुधार और लोक प्रशासन विभाग (डीएआरपीजी) के सचिव श्री वी. श्रीनिवास और सिंगापुर की ओर से लोक सेवा प्रभाग की सीईओ सर्विस एसजी सुश्री सेज लिंग लिम ने की। डीएआरपीजी, विदेश मंत्रालय और भारतीय उच्चायोग, सिंगापुर के अतिरिक्त सचिव श्री पुनीत यादव और अन्य अधिकारी तथा लोक सेवा प्रभाग, सिंगापुर का एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल भी संयुक्त कार्य समूह की बैठक में शामिल हुआ। दोनों पक्षों ने अपने-अपने प्रस्तुतियाँ साझा की । भारतीय पक्ष ने नेक्स्ट जेन सीपीजीआरएएमएस और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण आकलन (एनईएसडीए) पर प्रस्तुति दी। सिंगापुर पक्ष ने लाइफ एसजी पर प्रस्तुति दी। लाइफ एसजी जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों में नागरिकों को सरकारी सेवाओं के एकीकरण हेतु एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

नेपाल के बाद फ्रांस की सड़कों पर प्रदर्शन, सैंकड़ों अरेस्ट, खतरे में मैक्रों सरकार?

(जीएनएस) पेरिस की सड़कों पर बुधवार को भारी विरोध-प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध किया, आगजनी की और पुलिस की आंसू गैस का सामना किया। यह आंदोलन राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बढ़ाने और उनके नए प्रधानमंत्री को चुनौती देने की कोशिश के रूप में सामने आया है। गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलियाओ ने बताया कि राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के पहले ही कुछ घंटों में लगभग 200 लोगों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, "ब्लॉक एवरीथिंग" (सब कुछ ब्लॉक करो) नामक इस आंदोलन का मकसद पूरी तरह से सफल नहीं हुआ, फिर भी इसने फ्रांस के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर अड़चने पैदा कर दीं। 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह सड़कों को ब्लॉक किया गया और पुलिस को चुनौती दी। पश्चिमी शहर रेन्नेस में एक बस में आग लगा दी गई और दक्षिण-पश्चिम में बिजली की लाइन को नुकसान पहुंचाने के कारण रेल लाइन पर ट्रेनें रुक गईं। गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी "विद्रोह का माहौल" बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, शुरूआती प्रदर्शन पिछले उपद्रवों की तुलना में कम तीव्र नजर आए। पहले मैक्रों को "येलो वेस्ट" आंदोलन, पेंशन सुधारों और पुलिस गोलीकांड के बाद हुए दंगों जैसी भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। यह विरोध उस समय हो रहा है जब सोमवार को प्रधानमंत्री फ्रांकोइस बैरो ने संसदीय विश्वास मत खो दिया, जिसके चलते सरकार गिर गई। राष्ट्रपति मैक्रों ने मंगलवार को सेबेस्टियन लेकोर्नू को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया, लेकिन विरोध प्रदर्शनों ने तुरंत उन्हें एक चुनौती दे दी।

उ.प्र. सीएम योगी जी ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित 'जनता दर्शन' में आए लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। मुख्यमंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान निश्चित समयावधि में किया जाए। साथ ही, उनका फीडबैक भी अवश्य लिया जाए।

पैगम्बरे इस्लाम (स.) की विलादत के मौके पर 17 रबीउलअव्वल को इमामबाड़ा आसिफी में महफिले मीलाद का आयोजन किया।

(जीएनएस)।

लखनऊ। तंजीम-ए-मिल्लत के आहवान पर पैगम्बरे इस्लाम (स.) की विलादत के मौके पर 17 रबीउलअव्वल (बुधवार) को इमामबाड़ा आसिफी में महफिले मीलाद का आयोजन किया। इसके बाद लोगों ने इमामबाड़े परिसर में जुलूस निकाला जिसे वह इमामबाड़ा शाहनजफ हजरतगंज ले जाना चाहते थे। जिसे जिला प्रशासन ने रोक दिया तो लोगों ने गिरफ्तारी देने को कहा परन्तु जिला प्रशासन ने गिरफ्तारी लेने से इनकार कर दिया तथा आश्वासन दिया कि इस जुलूस की अनुमति एवं मांगों को उच्च अधिकारियों के समक्ष रखेंगे। इसके बाद सहायक पुलिस कमिश्नर के माध्यम से तंजीम के महासचिव प्रिंस इकबाल मिर्जा ने उलमा की मौजूदगी में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। इससे पूर्व आयोजित महफिल को मौलाना मीसम जैदी ने खिताब किया। उन्होंने कहा कि शिया फिरके को पैगम्बरे इस्लाम की विलादत 17 रबीउलअव्वल के मौके पर उक्त जुलूस मिलना चाहिए। इस मौके पर मौलाना सदफ जौनपुरी और मौलाना अनवर हुसैन सहित कई उलमा ने तकरीर की। इसके बाद शायरों ने बारगाहे रिसालत और छठे इमाम की शान में मंजूम नजरानए अकीदत पेश किया। इसी तरह आल इंडिया शिया यूथ फेडरेशन की ओर से रौजाए काजमैन में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया जिसे लोग अमीनाबाद झंडे वाले पार्क तक ले जाना चाहते थे। लेकिन जिला प्रशासन ने जुलूस काजमैन परिसर में ही रोक दिया। फेडरेशन की ओर से कार्यक्रम के संयोजक मौलाना वली हैदर ने मुख्यमंत्री को लिखित ज्ञापन पुलिस के अधिकारियों को सौंपा। इस मौके पर रौजाए काजमैन में आयोजित महफिल को मौलाना अतहर अब्बास ने खिताब किया। इसके बाद शायरों ने अपने कलाम पेश किये।

अकीदत के साथ मनी मोहम्मद साहब व इमाम सादिक की यौमे विलादत

-सजीं महफिलें, जगह-जगह हुई नज़्रें

लखनऊ। हजरत मोहम्मद साहब (स.) और छठे इमाम जाफर-ए-सादिक (अ.स.) की यौमे विलादत बुधवार को बड़ी अकीदत के साथ मनायी। इस मौके पर घरों में नज़्रें दी (स.अ.) और इमाम जाफर-ए-सादिक (अ.स.) की शान में कसीदे पढ़े गये। इस अवसर पर आयोजित नज़्रों में लोग अपने रिश्तेदारों और अजीजों के घर गये और नज़्र चखकर गयी वहीं इमामबाड़ों, रौजों,घरों व कर्बलाओं में महफिलों का आयोजन हुआ। जिसमें हजरत मोहम्मद साहब हजरत मोहम्मद साहब (स.) और इमाम जाफर सादिक (स.) की विलादत की मुबारकबाद पेश की। इस खुशी के मौके पर लोगों ने बिजली आदि की भव्य सजावट भी की थी। इमामबाडा हकीम मोहम्मद तकी पाटानाला में मौलाना एजाज अतहर ने 'जश्ने तुलू ए शम्स रिसालत' शीर्षक से महफिल को खिताब किया। महफिल का आगाज कारी नदीम नजफी ने तिलावते कुराने पाक से और संचालन नय्यर मजीदी ने किया।

जश्ने जनाबे उम्मे कुलसूम आज

लखनऊ। अमीरुल मोमेनीन हजरत अली (अ.स.) की बेटी हजरत कुलसूम (स.अ.) की यौमे विलादत के मौके पर बृहस्पतिवार को इमामबाड़ा पंजतनी कश्मीरी मोहल्ला में जश्ने जनाबे उम्मे कुलसूम का आयोजन किया जायेगा। महफिल का आगाज कारी नदीम नजफी ने तिलावते कुराने पाक से व संचालन खुर्शीद फतेहपुरी करेंगे। महफिल को मौलाना मोहम्मद अस्करी खिताब करेंगे। इस मौके पर शायर ए अहलेबैत जनाबे उम्मे कुलसूम (स.अ.) की शान में अपने कलाम पेश करेंगे। महफिल का आयोजन अंजुमनें पंजतनी ने किया था।

चोरी की वारदातें बढ़ी बाजार से मोटरसाइकिल गायब

मोटरसाइकिल चोरी की वारदात सीसीटीवी कमरे में हुई कैद

(जीएनएस)।

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र इन दिनों चोरों का ऐंसगाह वन चुका है चोरियों का सिलसिला लगातार जारी है कल बाजार सब्जी खरीदने आए युवक की मोटरसाइकिल को चोरों ने दिनदहाड़े गायब कर दिया चोरी का सीसीटीवी फुटेज में मोटरसाइकिल ले जाता हुआ युवक साफ नजर आ रहा है ।

मिली जानकारी के अनुसार कल्लू कुमार पुत्र जियालाल निवासी मनीपुर सेमरिया थाना किशनपुर अपने रिश्तेदारी थाना क्षेत्र के जहांगीरनगर गहुरा आया था वहां से अपने रिश्तेदार के साथ मोटरसाइकिल में सवार होकर सब्जी खरीदने के लिए नगर पंचायत खखरेरू के दरिया मऊ बाजार आया हुआ था जहां पर मोटरसाइकिल खड़ी करके रिश्तेदार के साथ मिलकर सब्जी खरीदने लगा खरीदारी के बाद जैसे मोटरसाइकिल के पास पहुंचकर देखा तो वहां पर मोटरसाइकिल नदारत रही पीड़ित के द्वारा आसपास मोटरसाइकिल की खोज की गई लेकिन मोटरसाइकिल ना मिलने पर डायलॉग 112 सहित स्थानीय पुलिस को सूचित किया सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच हड़ताल किया घटना के संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि मोटरसाइकिल चोरी की तहरीर प्राप्त हुई है संगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करके मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

नगदी जेवरात संग लापता हुई किशोरी पिता ने गांव के युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का लगाया आरोप

घटना के बाद परिजनों में मचा हड़कंप पुलिस में दी गई तहरीर

(जीएनएस)।

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले किशोरी नगदी और अभूषण लेकर लापता हो गई परिजनो काफी खोजबीन की लेकिन जब कहीं कोई सुराग नहीं मिला तो पिता ने पुलिस में तहरीर देकर गांव के ही एक युवक पर बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया

पीड़ित पिता के अनुसार आज रात लगभग 2:20 पर घर से भाग निकली जब सुबह नींद खुली तो देखा के बक्से में रखें 39500 रुपये नगद चांदी के आभूषण ढाई सौ ग्राम छागल पेटी एवं कान का झूमक अपने साथ लेकर चली वह गांव का रहने वाले अंकित सिंह करन सिंह बेटी को वहला फुसलाकर अपने साथ ले गए हैं वहीं घटना के बाद से गांव में तरह-तरह के चचाओं का बाजार गर्म था संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करके अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

धाता में लाखों के जेवरात चोरी, पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

धाता थाना क्षेत्र के लिहयी बाजार में बुधवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए करीब छह लाख रुपये के गहनों व कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस व फॉरेन्सिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, लिहयी बाजार निवासी फूलबानो लंबे समय से ससुराल में विवाद के चलते अपने भाई इदरीस के मकान के ऊपरी हिस्से में रह रही थीं। वह अपनी पुत्री आमना व भाई के सहयोग से 'आमना बैंगल स्टोर' नाम से चूड़ी की दुकान भी चला रही थीं। मंगलवार को फूलबानो व इदरीस फिरोजाबाद खरीदारी के लिए गए थे। रात में घर पर केवल आमना, इदरीस की पत्नी मसरीफा व उनका बच्चा मौजूद थे। सुरक्षा की दृष्टि से तीनों नीचे मकान मालिक के घर सोने चले गए थे।

इसी बीच चोरों ने मौके का फायदा उठाकर घर का दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश किया और आलमारी व बक्सा खंगाल डाला। सुबह मकान मालिक का पुत्र सद्दाम जब छत से उतरा तो देखा कि दरवाजा खुला है और भीतर सामान बिखरा पड़ा है। परिजनों को बुलाने पर चोरी की पूरी घटना सामने आई।

चोर सोने के टप, कान लाकेट, जंजीर,पायल की बाली, माला व अन्य कीमती गहने उठा ले गए, जिनकी कीमत लगभग छह लाख रुपये बताई जा रही है। सूचना पर थानाध्यक्ष योगेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। बाद में फॉरेन्सिक टीम ने भी साक्ष्य एकत्र किए।

थानाध्यक्ष ने बताया कि कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। प्रथम द्दष्टया घटना को आपसी संदिग्ध लोगों द्वारा अंजाम दिए जाने की संभावना है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले का जल्द खुलासा किया जाएगा

'मोदी जी से इंप्रेश हूं, मुझे गंगा', नेपाल की सत्ता संभालने जा रही सुशीला कार्की ने भारत को लेकर क्या कहा?

(जीएनएस)।

नेपाल में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को देश की अंतरिम प्रमुख के रूप में चुना गया है। श्रील्ल ` से अपार समर्थन मिलने के बाद सुशीला कार्की का प्रधानमंत्री बनना तय हो चुका है। नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने भारत के प्रति गर्मजोशी व्यक्त की है और दोनों देशों के बीच मधुर संबंधों की उम्मीद जताई है।

बुधवार को दिए एक बयान में, कार्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की, इस दौरान उन्होंने "मोदी जी" कहकर संबोधित किया। उन्होंने भारत के साथ "अच्छे संबंध" होने की बात कही।

मेरे जेहन में मोदी जी के लिए अच्छा इंप्रेशन है

न्यूज18 को दिए इंटरव्ं यू में पीएम मोदी से अपनी उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर कार्की ने कहा, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली से प्रभावित कार्की ने कहा, "मोदी जी को नमस्कार, मेरे जेहन में मोदी जी के लिए अच्छा इंप्रेशन है।" सुशीला कार्की ने यह भी बताया कि वो लंबे समय से से भारत के संपर्क में नहीं थीं।

सुशीला कार्की ने भारत-नेपाल के संबंधों को मजबूत करने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा, "हम इस बारे में बात करेंगे। जब यह एक अंतरराष्ट्रीय मामला होता है, दो देशों के बीच, तो कुछ लोग एक साथ बैठकर नीति बनाते हैं।" कार्की ने

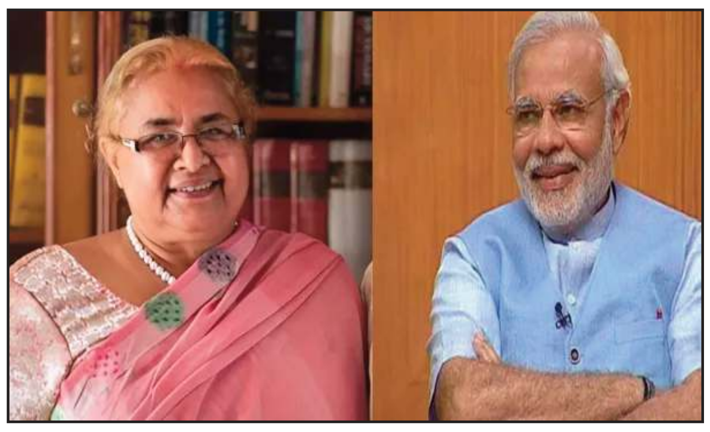

लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर जोर दिया, भले ही सरकारी संबंध "एक अलग मामला" हों।

सुशील कुर्की ने कहा, "नेपाल के लोगों और भारत के लोगों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। यह बहुत अच्छा रिश्ता है। हमारे कई रिश्तेदार, कई परिचित... हमारे पास बहुत सद्भावना, बहुत प्यार है।" उन्होंने किसी भी नेता का नाम लिए बिना भारतीय नेताओं की तारीफ और उन्हें "अपने भाई-बहन" बताया।

इलव के दिनों को याद कर क्ं या बोलीं सुशीला कुर्की?

कार्की ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में अपने मास्टर डिग्री के दिनों को याद किया। उन्होंने बताया, "मुझे आज भी अपने शिक्षक, दोस्त याद हैं। मुझे आज भी गंगा नदी याद है। गंगा के किनारे एक छात्रावास था और गर्मी में रात को हम छत पर सोते थे।"

भारत-नेपाल के संबंध पर क्या बोलीं सुशीला कार्की?

सुशीला कार्की ने हिंदी में बात करते हुए कहा, "मैं भारत की सीमा के पास, बिराटनगर की नागरिक हूं। शायद मेरे घर से (भारत) केवल 25 मील दूर है।" उन्होंने बताया कि वह नियमित रूप से सीमा पर बाजार जाती थीं।

भारत से अपनी उम्मीदों के बारे में, कार्की ने कहा, "भारत ने हर समय नेपाल की मदद की है। भारत के साथ संबंधों पर खुलकर बात करते हुए, कार्की ने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता बहुत पुराना है और जनता से जनता का जुड़ाव गहरा है। उन्होंने बताया कि उनके कई रिश्तेदार और दोस्त भारत में रहते हैं। उन्होंने इस रिश्ते की तुलना रसोई के बर्तनों से की, जहां कभी-कभी खटपट होती है, लेकिन रिश्ता मजबूत बना रहता है।

सुशीला कार्की ने नेपाल में भारतीयों की सुरक्षा की दी गारंटी

सुशीला कार्की ने नेपाल में भारतीयों की सुरक्षा का भी आश्वासन दिया और बताया कि सेना ने अब व्यवस्था बहाल करने का काम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों की मृत्यु हुई है, उनके परिवारों को न्याय मिलेगा। नेपाल में सोशल मीडिया प्रतिबंध के बाद हुई हिंसक विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 25 लोग मारे गए थे, जिसके बाद सरकार मंगलवार को गिर गई। हालांकि, अंतरिम सरकार को लेकर उन्होंने कहा कि अभी उनके नाम का केवल प्रस्ताव हुआ है और कुछ भी तय नहीं हुआ है। चचाएं अभी जारी हैं।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया बाढ़ पीड़ितों की करेगी मदद

दूसरों पर रहम करना सुन्नत रसूल है : मौलाना खालिद रशीद

दारुल उलूम फरंगी महल के छात्रों ने की सराहनीय पहल, बाढ़ पीड़ितों के लिए बच्चों ने अपनी पॉकेट मनी की दान

मदरसे के अध्यापकों ने भी अपनी एक दिन की तनख्वाह बाढ़ पीड़ितों के लिए की दान

टीम लखनऊ के जरिए बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाई जाएगी मदद

राहत सामग्री इकट्ठा करने के लिए लखनऊ में बनाए गए 16 सेंटर

(जीएनएस)।

लखनऊ ।लखनऊ स्थित इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में दारुल उलूम फरंगी महल के छात्रों ने एक बहुत ही सराहनीय पहल करते हुए अपनी पॉकेट मनी पंजाब में बाढ़ से पीड़ित बच्चों की मदद के लिए दान कर दी। इन बच्चों की इस नेक पहल से प्रेरित होकर मदरसे के अध्यापकों ने भी अपनी एक दिन की तनख्वाह दान में दे दी ।इस मौके पर लखनऊ के शाही इमाम और इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने छात्रों और शिक्षकों की इस कोशिश की तारीफ करते हुए कहा कि "हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया कि तुम जमीन वालों पर रहम करो,आसमान वाला तुम पर रहम करेगा ।इसी जज्बे के साथ हमें बाढ़ से प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करनी चाहिए।"उन्होंने यह भी बताया कि 2018 में यूपी और केरल में आई बाढ़ के दौरान "टीम लखनऊ" नाम से एक समूह बनाया गया था, जिसमें अलग-अलग धर्मों की प्रमुख हस्तियाँ शामिल थीं ।अब भी इस राहत राशि को "टीम लखनऊ" को सौंपा गया है, ताकि सही तरीके से जरूरतमंदों तक मदद पहुँच सके। टीम लखनऊ के संरक्षक मुरलीधर आहूजा और संस्थापक सदस्य मुर्तजा अली ने जानकारी दी कि वे लोग राहत सामग्री इकट्ठा कर रहे हैं और इसके लिए लखनऊ में 16 सेंटर बनाए गए हैं। बहुत जल्द वे यह राहत सामग्री पंजाब लेकर जाएंगे।

इस कार्यक्रम में टीम लखनऊ की अध्यक्ष निगहत खान,मौलाना सुफयान निजामी,संस्थापक सदस्य जसबीर सिंह गांधी,अब्दुल वहीद,जुबैर अहमद,अदनान खान, वामिक खान,पीसी कुरील और अमन शांति समिति के अध्यक्ष इमरान कुरैशी,मुख्तार कुरैशी,फहीम,मो

धनखड़ के बाद राधाकृष्णन-भाजपा वाकई नया गेम खेल रही है? अब मोदी टीम के सामने ये हैं बड़ी चुनौतियां?

(जीएनएस)।

सीपी राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद पर जीत न सिर्फ बीजेपी के लिए एक औपचारिक सफलता है, बल्कि यह पार्टी के राजनीतिक संदेश का भी हिस्सा है। छह हफ्ते पहले तक हालात बिल्कुल अलग थे। तब देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा देकर सियासी हलचल मचा दी थी। वजह उन्होंने खराब सेहत बताई, लेकिन असली

कारण आज भी परदे के पीछे है। अब उनके उत्तराधिकारी के तौर पर राधाकृष्णन की जीत ने बीजेपी को एक बार फिर मजबूत स्थिति में खड़ा कर दिया है। राधाकृष्णन की जीत के साथ ही, बीजेपी ने अपनी चुनावी रणनीति की सटीक पहचान एक बार फिर साबित कर दी है।

नेपाल में पीएम के इस्तीफे के बाद भी क्यों नहीं थम रहा विरोध, क्या हैं प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगें

(जीएनएस)।

नेपाल इस समय अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे (ड्ढ रैं१ ड' १ीरॅल्लं३ङ्खल्ल) के बाद देश राजनीतिक अनिश्चितता में धकेल दिया गया है। सोशल मीडिया पर पाबंदी और भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों से शुरू हुआ विरोध अब हिंसक रूप ले चुका है।

बीते दिनों की झड़पों में कम से कम 19 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की है। यह संकट नेपाल की नाजुक लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अब तक की सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

याद दिला दें कि नेपाल ने 2008 में राजशाही खत्म कर लोकतांत्रिक शासन अपनाया था। लेकिन मौजूदा हालात यह दिखाते हैं कि जनता, खासकर युवा, राजनीतिक नेतृत्व से बेहद असंतुष्ट है।

कैसे शुरू हुआ आंदोलन?

सोमवार को तब हालात बिगड़ गए जब सरकार ने फेसबुक, , यूट्यूब समेत 25 से ज्यादा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगा दिया। सरकार ने कंपनियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने पंजीकरण और सरकारी नियमों का पालन करने से इनकार कर दिया है।

लेकिन सेंसरशिप के खिलाफ शुरू हुआ यह विरोध जल्द ही भ्रष्टाचार, वंशवाद (ठीस्र्ङ्ग३रे) और बेरोजगारी के खिलाफ बड़े आंदोलन में बदल गया। नेपाल से हर दिन करीब 2,000

युवा नौकरी की तलाश में विदेश जा रहे हैं, जिससे असंतोष और गहरा हो गया।

क्या है वहां के मौजूदा हालात?

सैन्य नियंत्रणः राजधानी काठमांडू में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। कर्फ्यू लगाया गया है और उपद्रव रोकने के लिए चेतावनी स्वरूप हवाई फायरिंग की जा रही है। अब तक 27 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कार्यवाहक सरकारः राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उन्हें तब तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहने को कहा है जब तक नया नेता नियुक्त नहीं हो जाता। हालांकि, ओली की मौजूदा स्थिति पर असमंजस है और वे सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे।

संवाद की अपीलः सेना और शीर्ष अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए प्रतिनिधि मंडल बनाने को कहा है, लेकिन आंदोलन के लीडरलेस (नेतृत्वविहीन) होने के कारण यह चुनौतीपूर्ण है।

क्या बनेगी अंतरिम सरकार?

नेपाल का 2015 का संविधान इस स्थिति में स्पष्ट रास्ता दिखाता है कि राष्ट्रपति सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का निमंत्रण देंगे। यदि कोई पार्टी बहुमत साबित नहीं कर पाती, तो कोई भी सांसद जिसके पास बहुमत हो, प्रधानमंत्री बन सकता है। यदि 30 दिनों में विश्वासमत साबित नहीं होता, तो संसद भंग की जा सकती है और नए चुनाव कराए जा सकते हैं।

समस्या यह है कि मौजूदा राजनीतिक नेताओं को जनता पूरी तरह नकार रही है। कई नेता छुपने को मजबूर हैं या प्रदर्शनकारियों के हमले का शिकार हो चुके हैं। ऐसे में संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। संविधान में अंतरिम सरकार का जिक्र नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि मौजूदा हालात में यह जरूरी हो सकता है।

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया जाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से जुड़े लोगों से इस बारे में चर्चा भी हुई है।

युवाओं का समर्थन किसके साथ?

आंदोलन के बीच दो नए चेहरे उभर कर सामने आए हैंः बालेंद्र शाह (बालेन शाह)ः 35 वर्षीय काठमांडू मेयर और रैपर, जिन्हें भ्रष्टाचार विरोधी छवि और युवाओं के बीच लोकप्रियता के लिए जाना जाता

नेपाल जेल ब्रेक का असर भारत पर, सीतामढ़ी बॉर्डर पर पकड़े गए बड़ी संख्या में कैदी, खुली बॉर्डर ने बढ़ाई टेंशन